



भारत अंतरराष्ट्रीय वजिज्ञान महोत्सव, 2021

हाल ही में केंद्रीय पृथ्वी वजिज्ञान मंत्रालय (MoES) द्वारा भारत अंतरराष्ट्रीय वजिज्ञान महोत्सव (India International Science Festival- IISF) का 7वां संस्करण लॉन्च किया गया।

प्रमुख बंदि

- **भारत अंतरराष्ट्रीय वजिज्ञान महोत्सव के बारे में:**
 - वर्ष 2015 में शुरू किया IISF एक वार्षिक कार्यक्रम है जिसे देश का सबसे बड़ा मंच माना जाता है। यह विश्व के छात्रों, जनता, शोधकर्त्ताओं, नवप्रवर्तनकर्त्ताओं और कलाकारों को लोगों एवं मानवता की भलाई के लिये वजिज्ञान का अभूतपूर्व अनुभव प्राप्त करने के लिये एक साथ लाता है।
- **आयोजन:**
 - IISF 2021 का आयोजन वजिज्ञान भारती के सहयोग से पृथ्वी वजिज्ञान मंत्रालय (MoES), वजिज्ञान और प्रौद्योगिकी मंत्रालय [वजिज्ञान और प्रौद्योगिकी वभाग](#), जैव प्रौद्योगिकी वभाग, [वैज्ञानिक तथा औद्योगिक अनुसंधान परिषद](#) द्वारा संयुक्त रूप से किया जा रहा है।
 - IISF 2021 का आयोजन गोवा के पणजी में 10 से 13 दिसंबर तक किया जाएगा।
- **नोडल एजेंसी:**
 - [राष्ट्रीय ध्रुवीय एवं समुद्री अनुसंधान केंद्र](#), जो कि MoES के तहत एक स्वायत्त संस्थान है इसकी नोडल एजेंसी है।
- **वर्ष 2021 की थीम:**
 - समृद्ध भारत के लिये वजिज्ञान, प्रौद्योगिकी एवं नवाचार में रचनात्मकता का जश्न मनाना।
 - यह भारत की [आजादी का अमृत महोत्सव](#) की भावना और वचिार को भी प्रतबिबिति करेगा, जिसका उद्देश्य वर्ष 2022 में भारतीय स्वतंत्रता के 75 गौरवशाली वर्षों को चहिनति करना है।

वजिज्ञान भारती

- स्वदेशी वजिज्ञान आंदोलन 'भारतीय वजिज्ञान संस्थान-बंगलूरु' में कुछ प्रख्यात वैज्ञानिकों द्वारा प्रोफेसर 'के.आई. वासु' के मार्गदर्शन में शुरू किया गया था।
 - इस आंदोलन ने धीरे-धीरे गति पकड़ी और राष्ट्रीय संगठन के रूप में उभरा।
- वर्ष 1991 में अखलि भारतीय स्तर पर स्वदेशी वजिज्ञान आंदोलन शुरू करने का नरिणय लिया गया और इसे 'वजिज्ञान भारती' नाम दिया गया।
- इसका एक उद्देश्य युवा वैज्ञानिकों को अधिक रचनात्मकता और मौलिकता के लिये प्रेरति करना है।
- इसका मुख्यालय नई दलिली में स्थति है।